	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	
1. मुरली 5-6 बार पढ़ी या सुनी?																															
2. व्यर्थ से सदा मुक्त समर्थ स्थिति में रहे?																															
3. कम से कम 5 बार अशरीरीपन का अभ्यास किया?																															
4. कर्म करते हुए स्वभाव सरल रहा?																															
5. रात्रि सोने से पूर्व आधा घंटा योग किया?																															

शिवभगवानुवाच :- अशरीरीपन का अनुभव करते चलो। मन्सा सेवा बढ़ाते चलो। समय आगे बहुत नाजुक आने वाला है। बीच-बीच में 2 मिनट, 1 मिनट, पांच मिनट अशरीरी बनने का अभ्यास अपने दिनचर्या प्रमाण अवश्य करते चलो। ऐसा समय आयेगा तो यह प्रैक्टिस बहुत-बहुत आवश्यक लगेगी। ... अव्यक्त मुरलियों से

सितम्बर 2018 के स्वमान-अभ्यास

1. मैं आत्मा परमात्म शक्तियों की ज्वाला हूं।
2. मैं आत्मा परमात्म शक्तियों की धधकती हुई अग्नि हूं।
3. मैं आत्मा परमात्म शक्तियों का ज्वालामुखी हूं।
4. मैं आत्मा परमात्म शक्तियों का सूर्य हूं।
5. मैं आत्मा परमात्म शक्तियों का अवतार हूं।
6. मैं आत्मा परमात्म शक्तियों का पावरहाउस हूं।
7. मैं आत्मा परमात्म शक्तियों की जलती हुई मशाल हूं।
8. मैं आत्मा परमात्म शक्तियों की छत्रछाया हूं।
9. मैं आत्मा परमात्म शक्तियों का लाइट हाउस हूं।
10. मैं आत्मा परमात्म शक्तियों का माइट हाउस हूं।
11. मैं आत्मा परमात्म शक्तियों की लाइट का गोला हूं।
12. मैं आत्मा परमात्म शक्तियों की चमकती हुई मणि हूं।
13. मैं आत्मा परमात्म शक्तियों का मुस्कुराता हुआ पुंज हूं।
14. मैं आत्मा परमात्म शक्तियों की मूर्ति हूं।
15. मैं आत्मा परमात्म शक्तियों का स्वरूप हूं।
16. मैं आत्मा पुरानी दुनिया में मेहमान हूं।
17. मैं आत्मा विघनविनाशक शिव का बच्चा गणेश हूं।
18. मैं आत्मा मास्टर दु:खहर्ता सुखकर्ता हूं।
19. मैं विश्वकल्याणकारी आत्मा हूं।
20. मैं आत्मा मास्टर बीजरूप हूं।
21. मैं आत्मा मास्टर सर्वशक्तिमान हूं।
22. मैं परम पवित्र आत्मा हूं।
23. मैं आत्मा महाज्योति शिव बाबा के साथ कम्बाइंड हूं।
24. मैं स्वराज्य अधिकारी शक्तिशाली आत्मा हूं।
25. मैं आत्मा सदा सन्तुष्ट रहने वाली सन्तुष्टमणि हूं।
26. मैं भगवान की साथी व साक्षीद्रष्टा आत्मा हूं
27. मैं आत्मा खुशी का देवता, खुशी की देवी हूं।
28. मैं देव कुल की महान आत्मा हूं।
29. मैं निरंतर सकाशदाता अव्यक्त फरिश्ता हूं।
30. मैं विश्व परिक्रमाधारी परम पवित्र फरिश्ता हूं।

ओम् शान्ति